



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 106]

नई दिल्ली, सोमवार, मार्च 12, 2001/फाल्गुन 21, 1922

No. 106]

NEW DELHI, MONDAY, MARCH 12, 2001/PHALGUNA 21, 1922



स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 12 मार्च, 2001

सा. का. नि. 170(अ).—केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि नीचे विनिर्दिष्ट औपर्युक्तों के उपयोग का ऐसा कोई चिकित्सीय मूल्य नहीं है जिसका दावा किया गया है या जिसके लिए दावा किया जाना तात्पर्यित है या उक्त औपर्युक्तों में ऐसे संघटक और ऐसे परिमाण में हैं जिसके लिए कोई चिकित्सीय औचित्य नहीं है और उक्त औपर्युक्तों के विनिर्माण, विक्रय और वितरण का सोकहित में प्रतियेध करना अवश्यक और समीक्षीय है;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, औपर्युक्त और प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 (1940 का 23) की धारा 26 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मानक के उपयोग के लिए उक्त औपर्युक्तों की तारीख 1 जनवरी, 2002 से विनिर्माण, विक्रय और वितरण करने के लिए प्रतियेध करती है।

1. नाइट्रोफरेन्टैइन और ट्राइमिथोप्रिम की नियत मात्रा में संयोजन।
2. किसी एंटी-एस्थमैटिक औपर्युक्तों के साथ फिनोबारबीटोन की नियत मात्रा में संयोजन।
3. हायोशिन और/या हायोसायामाइन के साथ फिनोबारबीटोन की नियत मात्रा में संयोजन।
4. एरोटामाइन और/या बैलाडोन के फिनोबारबीटोन की नियत मात्रा में संयोजन।
5. प्रोऐनथिलाइन ब्रोमाइड सहित किसी एंटी-कोलिनर्जिक अधिकारक के साथ हैलोपैरिडाल की नियम मात्रा में संयोजन।
6. मैट्रोनाइडोल सहित किसी एंटी-एमाइक्रिक के साथ नैलिडिक्रिस्क एसिड की नियत मात्रा में संयोजन।
7. फ्लूरोजोलिडोन के साथ लोपैरामाइड हाइड्रोक्लोराइड की नियत मात्रा में संयोजन।
8. लाइसिन या पैपटोन के साथ साइप्रोहैट्टाइड एन या साइप्रोहैट्टाइड की नियत मात्रा में संयोजन।

[फा. सं० एक्स-11014/10/2000-डीएमएस और पीएफए]

दीपक गुप्ता, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पणि.—मूल अधिनियम भारत के राजपत्र, में अधिसूचना सा.का.नि. 578 (अ) 23-7-1983 के तहत प्रकाशित की गई थी और अन्तिम संशोधन सा.का.नि. सं० 40 (अ) तारीख द्वारा किया गया था।

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of Health)

NOTIFICATION

New Delhi, the 12th March, 2001

G.S.R. 170 (E).—Whereas the Central Government is satisfied that the use of the drugs specified below do not have the therapeutic value claimed or purported to be claimed for them or the said drugs contain ingredients and in such quantity for which there is no therapeutic justification and that in the public interest it is necessary and expedient to prohibit the manufacture, sale and distribution of the said drugs;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 26-A of the Drugs and Cosmetics Act, 1940 (23 of 1940), the Central Government hereby prohibits the manufacture, sale and distribution of the said drugs for human use with effect from 1st January, 2002.

1. Fixed dose combination of Nitrofurantoin and Trimethoprim.
2. Fixed dose combination of Phenobarbitone with any anti-asthamatic drugs.
3. Fixed dose combination of Phenobarbitone with Hyoscin and/or Hyoscyamine.
4. Fixed dose combination of Phenobarbitone with Ergotamine and/or Belladonna.
5. Fixed dose combination of Haloperidol with any anti-cholinergic agent including Propenthaline Bromide.
6. Fixed dose combination of Nalidixic acid with any anti-amoebics including Metronidazole.
7. Fixed dose combination of Loperamide Hydrochloride with Furazolidone.
8. Fixed dose combination of Cyproheptadine with Lysine or Peptone.

[F. No. X-11014/10/2000-DMS & PFA]

DEEPAK GUPTA, Jt. Secy.

Foot Note :—Principal Notification was published vide G.S.R. 578 (E) dated 23-7-1983 and last amended vide G.S.R. No 40 (E) dated.